

ಕೀಲಿ ಉತ್ತರ

ತರಗತಿ : 5

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷಾ ಹಿಂದಿ

5/3

ಪ್ರಶ್ನೆ ಸಂಖ್ಯೆ	ಉತ್ತರದ ವಿವರ	ಅಂಕ ವಿಂಗಡಣೆ
I. 1.	C) बुराई है ।	1
2.	A) लड़के जा रहे थे ।	1
3.	C) तथ है ।	1
4.	B) पुरुषवाचक सर्वनाम ।	1
5.	D) बाले-डोले है ।	1
6.	A) अधिकरण कारक है ।	1
7.	B) इक है ।	1
8.	C) उपमंत्री है ।	1
9.	A) दर्शनीय ।	1
10.	C) हिंदी है ।	1
11.	B) शक्ति है ।	1
12.	D) संज्ञा है ।	1

प्रश्न संख्या	उत्तर	अंक
13.	B) बूढ़ा है ।	1
14.	A) प्रश्नार्थक चिह्न है ।	1
15.	D) शिष्य है ।	1
16.	C) की ।	1
II. 17.	तुलसीदास जी के अनुसार संत का स्वभाव आम के वृक्ष की तरह होता है ।	1
18.	फॉहियान ने भारत देश के बारे में लिखा है - “भारत बड़ा अनोखा देश है ।”	1
19.	गप्प-गोष्ठी, चक्षु और श्रवण के बीच होने लगी ।	1
20.	घड़ी की घंटी से हमें आलस छोड़ने की सीख मिलती हैं ।	1
III. 21.	कॉलिंगबेल, विद्यालय की घंटी, फोन की घंटी, साइकिल की घंटी, मंदिर की घंटी, घड़ी की घंटी आदि ।	2
22.	हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को ईश्वर की पूजा न करने को कहा । परंतु प्रह्लाद ने उसकी बात नहीं मानी । इसलिए हिरण्यकश्यप को अपने बेटे पर क्रोध था ।	2
23.	सी.वी. रामन ने ध्वनि तथा प्रकाश के प्रयोग से सिद्ध किया कि - “जब प्रकाश विविध प्रकार की पारदर्शी और अपारदर्शी वस्तुओं से गुजरता है तो उसकी तरंगों पर भिन्न-भिन्न प्रकार का प्रभाव पड़ता है ।”	2
24.	‘सुश्रुत’ अपने हर काम, ध्यान लगाकर करता था । मेहनत करके सफलता हासिल करता था । किसी से ईर्ष्या नहीं करता था । सारे विषयों को पढ़ने तथा सीखने रुचि रखता था । इसलिए वह बहुत होशियार था ।	2

प्रश्न संख्या	उत्तरद विवर	अंक विगडन
25.	“एक दूसरे की बात सुनाई देने के लिए कान की जरूरत है ।” इसके बिना कुछ हो ही नहीं सकता । इसालिए श्रवण अपने को श्रेष्ठ मानता है ।	2
26.	कृष्णदेवराय के शासनकाल में हंपी एक प्रमुख व्यापार का केंद्र था । यहाँ सोना, चाँदी, मोती, जवाहरात-आदि को रास्ते के आस-पास रखकर बेचा करते थे । समृद्ध राज्य होने के कारण इनके शासनकाल को स्वर्णयुग कहते हैं ।	3
IV. 27.	सुन मेरी बंसी को माँ तुम इतनी खुश हो जाती, मुझे देखने काम छोड़कर, बाहर तक तुम आती । तुमको आता देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता, पत्तों में छिपकर धीरे से फिर बाँसुरी बजाता ।	3
28.	अ) मुंशी प्रेमचंद को उपन्यास-सम्राट कहते हैं । आ) लमही गाँव उत्तर प्रदेश में है । इ) प्रेमचंद की मृत्यु वाराणसी में हुई । ई) प्रेमचंद उपन्यास के क्षेत्र में श्रेष्ठ थे ।	4